Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
BA-510

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination March – 2021

B.A. (with Yoga Science) Semester : Fifth
Philosophy ; Paper : Second

Indian Ethics-II

Time: 3 Hours **Max. Marks: 75**

नोट : यह प्रश्नपत्र पचहत्तर (75) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड–क
(दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. चार्वाक दर्शन की मूलभूत मान्यताओं पर प्रकाश डालिए।
2. अभ्युदय और निःश्रेयस की सारगर्भित विवेचना कीजिए।
3. बौद्ध दर्शन के अनुसार आर्य सत्यों का स्वरूप सुस्पष्ट कीजिए।
4. जैन दर्शन के अनुसार अणुव्रत की विवेचना कीजिए।
5. श्रीमद्भगवद्गीता के अनुसार कर्म सिद्धान्त की समीक्षा कीजिए।

खण्ड–ख
(लघु–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **छः** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(6×5=30)**

1. 'ऋणं कृत्वा घृतं पिबेत्' – का अभिप्राय स्पष्ट कीजिये।
2. मध्यम प्रतिपदा का अभिप्राय स्पष्ट करें।
3. जैन दर्शन में 'त्रिरत्न' का क्या स्वरूप है। स्पष्ट करें।
4. बौद्ध दर्शन की विशेषताएं लिखिये।
5. जैन दर्शन में मुक्ति स्वरूप निरूपित कीजिये।
6. श्रीमद्भगवद्गीता के अनुसार भक्ति का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।
7. भारतीय दर्शनों में जीवन्मुक्ति का क्या स्वरूप बताया गया है।
8. गीता के अनुसार ज्ञान का महत्त्व लिखिये।

----------X----------